# भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी

//

# भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी
# Geospatial Technology-GT

*GT किसी स्थान (स्थिर या गतिशील) से जुड़ी जानकारी को ग्रहण/भंडारण/प्रसंस्करण/प्रदर्शित/प्रसारित करने की प्रक्रिया को सुगम बनाता है।*

## GT के अंतर्गत आने वाली प्रौद्योगिकियाँ

- **सुदूर संवेदन/रिमोट सेंसिंग**-सामान्यत: उपग्रह या विमान से किसी क्षेत्र की भौगोलिक विशेषताओं का पता लगाना/निगरानी करना
- **वैश्विक स्थान-निर्धारण प्रणाली/ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (GPS)**- भूमि पर किसी वस्तु की स्थिति निर्धारित करने के लिये एक उपग्रह नेविगेशन प्रणाली
- **भौगोलिक सूचना प्रणाली/ग्लोबल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (GIS)**- पृथ्वी की सतह पर स्थिति से संबंधित डेटा को ग्रहण करने, संग्रहीत करने और प्रदर्शित करने के लिये कंप्यूटर सिस्टम
- **3-D मॉडलिंग**-किसी वस्तु या सतह का त्रि-आयामी (Three-dimensional) निरूपण

## GT के अनुप्रयोग

- जलवायु परिवर्तन तथा आपदा प्रबंधन (**उदाहरण-अग्रिम चेतावनी**)
- पृथ्वी अवलोकन क्षमताएँ (**उदाहरण-वनस्पति, जल गुणवत्ता**)
- स्वास्थ्य देखभाल (**उदाहरण- संपर्क अनुरेखण/कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की निगरानी**)
- सामाजिक समस्याएँ (**उदाहरण-शिक्षा, आजीविका, वित्तीय समावेशन**)
- लॉजिस्टिक्स (**उदाहरण- वस्तुओं/माल की ट्रैकिंग**)
- रियल एस्टेट (**उदाहरण-दूर से रियल एस्टेट प्रयोजनों का विश्लेषण**)

## भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी में भारत की स्थिति

### भू-स्थानिक अर्थव्यवस्था

- वर्ष 2025 तक ₹ 63,000 करोड़ पार करने की उम्मीद
- 12.8% की वृद्धि दर

### राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति

- भू-स्थानिक डेटा संवर्द्धन और विकास समिति (शीर्ष निकाय का गठन किया जाएगा)
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग GT के लिये नोडल विभाग होगा; GDPDC विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को अपनी सिफारिशें भेजेगा

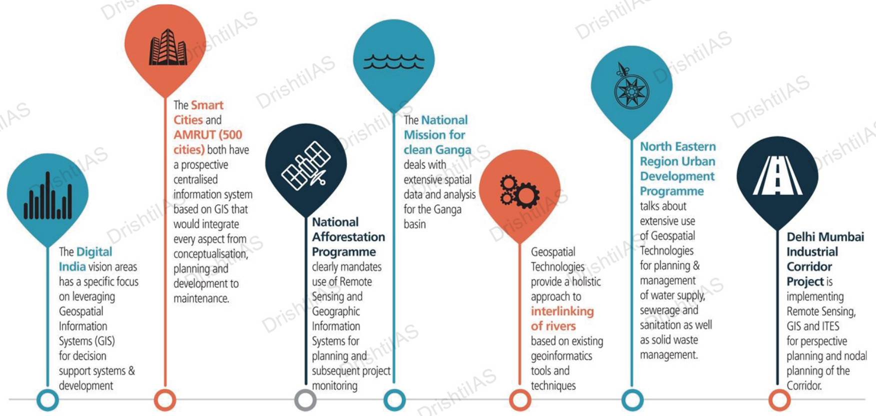


### लक्ष्य

- **वर्ष 2030 तक**-उच्च विभेदन क्षमतायुक्त स्थलाकृतिक सर्वेक्षण और मानचित्रण
- **वर्ष 2035 तक**-नेशनल डिजिटल ट्विन-प्रमुख शहरों/कस्बों की आभासी प्रतिकृति

[और पढ़ें...](https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/geospatial-technology-1)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/geospatial-technology-1